local police) as also measuregi to prevent the same are being cons tantly monitored by the Deputy Inspector Graiorial of Police, P.C.K. every month during the crime meeting and siuitable inst ructions for effective enforcement of P.C.R. Act and Scheduled Castes/Scheduled Tribes (Pre-vention of Atrocities) Act are being issued from time to time.

(v) The crime review is done monthly by the Deputy Superintendent of Police, Protection of Civil Rijghts. Supervisory Squads have been properly formated to im-' prove their effective supervision.

(vi) Ihvestigatioin land prosecution of heinous offences (Murder Rape, Arson and Grievous Hurt) registered with local police are donsffently reviewed and monitp-red.

(vit)' A well formatted memo with specific queries and directions has been designed to activate the . Bistricfc iSluperintendentsi of Police and their subordinates for ensuring prompt ^^^ proper police* and court disposal of atrocity cases.

(viii) Intelligence collection work has been improved through Well designed documents. likewise surveys are conducted land recorded ih a professional manner and the output of the intelligence collected and surveys conducted is put to effective and innovative use,

(ix) Atrodty prone areias are sctentifically identiflied and annually updated. Improved profess-ional policing is assured in such areas to prevent occurrence and recurrtmee of atrocity cases.

(x) Monetarv relief is given to the Scheduled Castes/Scheduled Tiribes victims and/or their *dependents.*

(c) The details about this number of persons arrested land, prosecuted pertaining to atrocity cases committed on Scheduled Castes are as under: —

	1996	1997 (Upto 30-6-97)
(i) Number of peraons' arrested . . .	840	621
(ii) Number of persons prosecuted	320'	12t
(iii) Number of p»sons. convicted	14	

Kegarding the number of 'atitoci-ties committed on Backward Classes, Staite Government of Tamil Nadu was requested to send the intorma-tlton which is stil awaited. As soon as it is received, the same will be placed on the table of the House.

कोयले की मांग

*266. **श्री राम जेठमलानी** : क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने नोवी पंचवर्षीय योजना के अंत में देश में कोयले की मांग का अनुमान लगाया है,

(ख) यदि हां, तो वर्ष 2001-02 में कोयले की कितनी मांग होने का अनुमान है,

(ग) वर्ष 2001-02 में देश में कोयले के उत्पादन कर कितना लक्ष्य रखा गया है,

(घ) क्या यह सच हैस कि देश में ऐसे बहुत से कोयले भंडार क्षेत्र हैं, जिनका दोहन नहीं किया गया है और वहां अभी खनन कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है, और

(ड.) यदि हां, तो ये क्षेत्र कौन-कौन से हैं तथा वहां खनन कार्य आरंभ करने के लिए सरकार की प्रस्तावित योजना क्या है ?

कोयला मंत्रालय की राज्य मंत्री(श्रीमती कान्ति सिंह) : (क) और(ख) योजना आयोग द्वारा नौंवी योजना को निष्पादित किए जाने के लिए कोयला तथा लिग्नाइट पर गठित कार्यकारी दल ने नौवीं योजना के अंतिम वर्ष अर्थात् 2001-02 तक 405.00 मिलियन टन कोयले की मांग होने का अनुमान लगाया है । इस संबध में मुख्य रूप से क्षेत्र-वार ब्यौरे नीचे दर्शाए गए हैं :-

(मिलियन टन में)

	200-02
इस्पात	51.60
विद्युत	254.80
अन्य	98.60
जोड़	405.00

(ग) कोयला कंपनियों से कार्यकारी दल द्वारा 2001-02 (नौवीं योजना का अंतिम वर्ष) के लिए अनुमानित कोयले के उत्पादन लक्ष्य का ब्यौरा नीचे दर्शाया गया है :-

(मिलियन टन में)

कोल इंडिया लि.	303.00
सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लि.	36.00
टिस्को/इस्को/डी.वी.सी.	7.60
जोड़	346.00

इसके अलावा कुछ उत्पादन ग्रहीत खनन हेतु उपभोक्ताओं को आंबटित किए गए खनन ब्लौको से प्राप्त होगा ।

(घ) और(ड.) कुल 44 कोयला क्षेत्रों में से (नार्थ ईस्टर्नक्षेत्र के कोयला क्षेत्रों को छोड़कर, जो कि कुल भंडारी का केवल 0.43%है) केवल 8 ऐसे कोयला क्षेत्र है , जिनका कि अभी तक दोहन नहीं किया गया है ।इन कोयला क्षेत्रों तथा इनसे संबधित आगामी कार्यक्रम का ब्यौरा नीचे दर्शाया गया है :-

राज्य	कोयला क्षेत्र	टिप्पणी
1	2	3
1. पश्चिम बंगाल	1. डोमरा सब-बेसिन	इसमें लगभग 900मि. ट. के लघु भंडार विद्यमान है, जिन्हे अभी प्रमाणित किया जाना है सब-बेसिन का उत्खनन किये जाने का निकट भिविष्य में कोई कार्यक्रम नहीं है ।
	2.बोरजोरा	इस कोयला क्षेत्र में कठिन भू-गर्भीय परिस्थितियों हैं । वर्तमान में, इन भंडारों का उत्खनन किया जाना लाभकारी नहीं रहेगा । इन भंडारी का उत्खनन किए जाने के निकट भविष्य में कोई कार्यक्रम नहीं है ।

1	2	3
	3.दार्जिलिंग	यह एक बहुत छोटा कोयला क्षेत्र हैं, जिसके कुल भंडारी की मात्रा 15 मि.ट. की है । वर्तमान में कोई वाणिज्यिक खनन किए जाने पर विचार नहीं किया जा रहा है।
2.बिहार	4. औरंगा	इस कोयला का मुख्यत : बिहार सरकार द्वारा दोहन किए जाने का प्रस्ताव है ।
3.मध्य प्रदेश	5. गुरूगुडा	यह एक बहुत छोटा कोयला क्षेत्र हैं, जिसमे लाभकारी रूप से खनन किए जाने की संभावना नहीं है ।
	6. तातापानी रामकोला	यह कोयला क्षेत्र अन्वेषण के अधीन है । उक्त क्षेत्र का अन्वेषण पूरा हो जाने पर तथा क्षेत्र की भू-भर्गीय स्थिति को विर्निदिष्ट कर लिए जाने के बाद सा.ई.को. लि.द्वारा इस कोयला क्षेत्र के दोहन किए जाने पर विचार किया जायेगा ।
	7. हासडो अखंड	इस कोयला क्षेत्र के दसवीं योजना तथा इसके बाद की अवधि में दोहना किए जाने का प्रस्ताव किया गया है ।
4.महाराष्ट्र	8.बोखारा	वे. को.लि. द्वारा निकट भविष्य में इस कोयला क्षेत्र का खनन किए जाने पर विचार किया जा रहा है ।

Death of tribal children due to malnutrition in Melgimt i?egion *ol* Amravaifi

*267. SHRI V. RAJESHWAR RAO :

DR. SHRMCANT RAMCHANDRA JICHXAR:

Will the Minister of FOOD AND CONSUMER AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government are 'aware that 4500 tribal children have died due to malnutrition ^nd ,for want ^^ .fo<?d» in the last three years in the Melghat Forest region of Amravati district of Mhaarashtra and if so, what is the information of Government in this regard;

. (b) .whether Government are also aware more than 250 children have died this year and if proper food supply is i;ot made then more than a thousand children are likely to die in this rainy season;

(c) if so, the steps taken by this de» partment to provide adequate food supply in this area; and

(d) what more will be done by Government here?